

- (1) वैशेषिक दर्शन के अनुसार पदार्थों की संख्या होती है ?
(अ) 9
(ब) 6
(स) 3
(द) 8
- (2) सभी पंचमहाभूतों के नाम 'व' शब्द से जैसे विशद, वायु, वीह्वि, वारि, वसुन्धरा आदि किसने बतलाए है ?
(अ) माधव
(ब) काश्यप
(स) भावप्रकाश
(द) हारीत
- (3) चक्रपाणि के अनुसार परादि गुणों को कहा जाता है ?
(अ) शारीर गुण
(ब) चिकित्सीय गुण
(स) सामान्य गुण
(द) विशिष्ट गुण
- (4) 'यत्र मूर्ख विदुषां बुद्धि यो वर्ण्य वर्णयति' – किसका लक्षण हैं। (च. वि. 8/34)
(अ) हेतु
(ब) दृष्टान्त
(स) उपनय
(द) निगमन
- (5) चक्रपाणि किस वंश से सम्बंधित थे ?
(अ) लोध्रवंश
(ब) लोध्रवली वंश
(स) मौर्य वंश
(द) शुंगवंश
- (6) पंचकर्म के संदर्भ में 1 प्रस्थ =.....। (शारङ्गधर उत्तर खण्ड अ. 3)
(अ) 64 तोला
(ब) 54 तोला
(स) 56 तोला
(द) 60 तोला
- (7) 'स्वाहा' में कौनसी विभक्ति होती है ?
(अ) द्वितीया
(ब) तृतीया
(स) चतुर्थी
(द) पंचमी
- (8) सर्वांग नेत्र गौरव किसका लक्षण है ?
(अ) मज्जावृद्धि
(ब) मज्जाक्षय
(स) कफवृद्धि
(द) वातवृद्धि

1. B	2. C	3. C	4. B	5. B	6. B	7. C	8. A
------	------	------	------	------	------	------	------

- (9) 'पुरीषधरा' कौनसी कला होती है।
(अ) चतुर्थ
(ब) पंचम
(स) षष्ठी
(द) सप्तमी
- (10) चरकानुसार दोषों के विकल्प भेद होते हैं।
(अ) 57
(ब) 60
(स) 62
(द) 63
- (11) त्रिदोष हेतु 'सर्वरोगाणां एककरणम्' किसका कथन है। (अ. सू. अ. 12/32)
(अ) चरक
(ब) सुश्रुत
(स) वाग्भट्ट
(द) माधव
- (12) स्नायु, सिरा, रोम, बलवर्ण, नख, त्वचा की उत्तपत्ति गर्भ के किस माह में होती है। (अ. ह. शा. 1/51)
(अ) चतुर्थ
(ब) पंचम
(स) षष्ठम
(द) सप्तम
- (13) 'अन्धता' कौनसे स्रोत्रोविद्धता का लक्षण है। (सु. शा. 9/12)
(अ) अन्नवह
(ब) उदकवह
(स) प्राणवह
(द) रक्तवह
- (14) अन्नवह स्रोतस् दुष्टि की चिकित्सा होती है। (च. वि. 5/26)
(अ) वमन
(ब) लंघन
(स) आमदोष नाशक चिकित्सा
(द) लंघन, आमदोष नाशक चिकित्सा
- (15) पारद को महारस किसने माना है ?
(अ) रसमंजरी
(ब) आयुर्वेद प्रकाश
(स) रस रत्न समुच्चय
(द) रस तरंगडी
- (16) सप्तामृत लौह का घटक द्रव्य नहीं है।
(अ) विभीतक
(ब) मधुयुष्ठी
(स) लौह
(द) शतावरी

9. B	10. C	11. C	12. C	13. A	14. C	15. B	16. D
------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------

- (17) 'क्षारद्वय' में क्या मिलाने पर 'क्षारत्रय' बनेगा।
(अ) यवक्षार
(ब) सज्जीक्षार
(स) अपमार्ग क्षार
(द) टंकण
- (18) यस्य प्रसादने शक्ति सः सान्द्रः। – किसका कथन है।
(अ) चरक
(ब) सुश्रुत
(स) चक्रपाणि
(द) हेमाद्रि
- (19) असाध्य मण्डूक हैं (सु. क. 8/38)
(अ) कषायी, स्थालिका
(ब) भृकुटी, कोटिक
(स) कृष्ण, रक्त
(द) चित्रा, अग्निप्रभा
- (20) 'चन्द्रबल' उत्तमता होती है। (सु. सू. 6/7)
(अ) शरद ऋतु में
(ब) हेमन्त ऋतु में
(स) बंसन्त ऋतु में
(द) शिशिर ऋतु में
- (21) आरा शस्त्र का प्रयोग होता है। (सु. सू. 8/4)
(अ) अस्थि छेदन में
(ब) लेखन में
(स) कर्णपाली वेधन में
(द) विस्त्रावण में
- (22) 'प्लुष्ट दग्ध' की चिकित्सा में किया जाता है। (सु. सू. 12/19)
(अ) शीतोपचार
(ब) उष्णोपचार
(स) दोनों
(द) उर्पयुक्त में से कोई नहीं
- (23) अधिमन्थे नतं कृष्णमुन्नतं शुक्लमण्डलम्। – कौनसे अधिमन्थ का लक्षण है। (अ. ह. उ. 15/11)
(अ) वातज
(ब) पित्तज
(स) कफज
(द) रक्तज
- (24) शोफो महान अन्नजलावरोधी। – किसका लक्षण है। (सु. नि. 16/62)
(अ) गलौध
(ब) गिलायु
(स) मांसतान
(द) वातज रोहिणी

17. D	18. D	19. B	20. B	21. C	22. B	23. C	24. A
-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------

- (25) आवि के अनुपस्थित होने पर भी अकाल प्रवाहण से कौनसा योनिव्यापद होता है। (च. चि. 30/27)
- (अ) उदार्वता
(ब) कर्णिनी
(स) पुत्रघ्नी
(द) जातघ्नी
- (26) क्षीरा जीवनीयानां किसका कथन है। (च. सू. 25/40)
- (अ) चरक
(ब) सुश्रुत
(स) वाग्भट्ट
(द) भावप्रकाश
- (27) षड्धातुवाद के प्रवर्तक है। (च. सू. 25/15)
- (अ) भद्रकाप्य
(ब) कणाद
(स) हिरण्याक्ष
(द) आत्रेय
- (28) न हि ज्ञानावयवेन् कृत्स्ने ज्ञेये ज्ञानमुत्पद्यते। – उक्त सूत्र का वर्णन कहाँ मिलता है।
- (अ) चरक सूत्रस्थान
(ब) चरक विमानस्थान
(स) चरक इन्द्रियस्थान
(द) चरक सिद्धिस्थान
- (29) चरक ने कौनसा स्रोत्रस् नहीं माना है। (च. वि. 5/6)
- (अ) रसवह
(ब) स्तन्यवह
(स) उदकवह
(द) रक्तवह
- (30) चरकानुसार ब्रह्मरसायन में कौनसे पंचमूल के द्रव्य नहीं होते हैं। (च. चि. 1/1 पाद/44)
- (अ) लघु पंचमूल
(ब) वल्ली पंचमूल
(स) जीवनीय पंचमूल
(द) तृण पंचमूल
- (31) चरकानुसार शिलाजतु की अवर, मध्यम और उत्तम मात्रा क्रमशः होती है। (च. चि. 1/3 पाद/55)
- (अ) 1 पल, 1/2 पल, 1 कर्ष
(ब) 2 पल, 1 पल, 1/2 कर्ष
(स) 1 पल, 1/2 पल, 1/4 कर्ष
(द) 1 कर्ष, 1/2 पल, 1 पल
- (32) कौनसा विसर्प आमाशय आश्रित होता है। (च. चि. 21/38)
- (अ) आग्नेय विसर्प
(ब) ग्रन्थि विसर्प
(स) कर्दम विसर्प
(द) सन्निपातज विसर्प

25. B	26. A	27. C	28. B	29. B	30. B	31. D	32. C
-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------

- (33) पित्तज रोगों में पंचप्रसृतिक निरूह बस्ति में प्रयुक्त स्नेह की मात्रा होती है। (च. सि. 3/30)
(अ) 2 प्रसृत
(ब) 3 प्रसृत
(स) 1/2 प्रसृत
(द) 4 प्रसृत
- (34) परं त्र्यहाज्जावितं चेत् प्रत्याख्याचरेत् क्रियाम्। – किसका लक्षण है। (च. सि. 9/73)
(अ) अर्धावभेदक
(ब) अनन्तवात
(स) सूर्यावर्त
(द) शंखक
- (35) अहोरात्र (दिन-रात) में ऋतु के लक्षणों का वर्णन किस आचार्य ने किया है। (सु. सू. 6/16)
(अ) चरक
(ब) सुश्रुत
(स) वाग्भट्ट
(द) शारंगधर
- (36) 'शिशंपा क्वाथ' का प्रयोग किसकी चिकित्सा में होता है। (सु. चि. 11/9)
(अ) वसामेह
(ब) सर्पिमेह
(स) मज्जामेह
(द) क्षौदमेह
- (37) जांगल पशु पक्षियों की वसा का प्रयोग होता है। (अ. ह. 25/16)
(अ) स्नेहन पुटपाक
(ब) लेखन पुटपाक
(स) प्रसादन पुटपाक
(द) उपर्युक्त सभी
- (38) 'शृंगाटक' कौनसी मर्म है। (सु. शा. 6/7)
(अ) मांसमर्म
(ब) सिरामर्म
(स) स्नायुमर्म
(द) संधिमर्म
- (39) Largest Cranial nerve of the Body is –
(A) Vagus
(B) Hypoglossal
(C) Trigeminal
(D) Abducent.
- (40) Inferior oblique muscle Rotates the eyeball is –
(A) Upper, Outwards
(B) Down, Outwards
(C) Inwards
(D) Outwards.

33. A	34. D	35. B	36. A	37. B	38. B	39. C	40. A
-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------